Journal of Research and Development
Peer Reviewed International, Open Access Journal.
ISSN : 2230-9578 | Website: https://jrdrvb.org Volume-17, Issue-8(B)| August - 2025

Original Article

नई शिक्षा नीति और उच्च शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा का पुनरुत्थान

डॉ.रेणु शरण[1], डॉ अंजनी शराफ[2], डॉ पायल चक्रवर्ती [3]
[1]सहायक प्राध्यापक राजनीति विज्ञान, डॉ.सी.वी.रामन विश्वविद्यालय
करगी रोड कोटा बिलासपुर छत्तीसगढ़
[2,3]सहायक अध्यापक लाइब्रेरी साइंस, डॉ.सी.वी.रामन विश्वविद्यालयए
करगी रोड कोटा बिलासपुर छत्तीसगढ़
Email:

Manuscript ID:
JRD -2025-170823
ISSN: 2230-9578
Volume 17
Issue 8(B)|
Pp. 132-133
Aug 2025
Submitted: 14 July. 2025
Revised: 29 July. 2025
Accepted: 14 Aug. 2025
Published: 31 Aug. 2025

सारांश

नई शिक्षा नीति (छम्) 2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी कदम है, जिसका उद्देश्य वैश्विक चुनौतियों के साथ–साथ भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा को पुनर्जीवित करना है। यह नीति उच्च शिक्षा में भारतीय दार्शनिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक विरासत को पुनर्स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करती है। वर्तमान शोध पत्र छम् 2020 के माध्यम से उच्च शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा के पुनरुत्थान की संभावनाओं, नीतिगत प्रभावों एवं सामाजिक–सांस्कृतिक महत्व का विश्लेषण करता है।

शब्दावली

1. भारतीय ज्ञान परंपरा (Indian Knowledge Tradition) – प्राचीन भारतीय ग्रंथों, विज्ञान, गणित, चिकित्सा, दर्शन एवं शिक्षा प्रणाली का संकलन।
2. नई शिक्षा नीति (NEP 2020) – भारत सरकार द्वारा 2020 में लागू की गई शिक्षा नीति, जो समग्र एवं बहु–विषयक दृष्टिकोण पर बल देती है।
3. गुरुकुल पद्धति (Gurukul System) – पारंपरिक भारतीय शिक्षा प्रणाली, जिसमें शिक्षक एवं शिष्य का व्यक्तिगत संबंध महत्वपूर्ण था।
4. अंतर–विषयक अध्ययन (Interdisciplinary Learning) – विभिन्न विषयों को जोड़कर समग्र रूप से अध्ययन करने की प्राणाली
5. लोकविद्या (Folk Knowledge) – पारंपरिक और स्थानीय ज्ञान प्रणालियाँ जो भारत की सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा हैं।

परिचय

भारतीय शिक्षा प्रणाली में लंबे समय तक पाश्चात्य प्रभाव प्रमुख रहा, जिससे भारतीय ज्ञान परंपरा का ह्रास हुआ। NEP 2020 इस अंतर को पाटने का प्रयास करती है और भारत के समृद्ध दार्शनिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक विचारों को शिक्षा प्रणाली में पुनः स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शिक्षा की दृष्टि से, भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को आधुनिक विज्ञान और तकनीक से जोड़ने का प्रयास किया गया है।

भारतीय ज्ञान परंपरा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

प्राचीन काल में तक्षशिला, नालंदा एवं विक्रमशिला जैसे विश्वविद्यालयों ने वैश्विक स्तर पर भारतीय शिक्षा प्रणाली को प्रतिष्ठित किया था। वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, खगोलशास्त्र एवं गणित में भारतीय विद्वानों का योगदान उल्लेखनीय रहा है।

CC BY NC SA
Creative Commons (CC BY-NC-SA 4.0)
This is an open access journal, and articles are distributed under the terms of the Creative Commons Attribution-NonCommercial-ShareAlike 4.0 International Public License, which allows others to remix, tweak, and build upon the work noncommercially, as long as appropriate credit is given and the new creations ae licensed under the idential terms.

Quick Response Code:
Website: https://jrdrvb.org/
DOI: 10.5281/zenodo.17232018
OPEN ACCESS

Address for correspondence:
डॉ.रेणु शरण, सहायक प्राध्यापक राजनीति विज्ञानए डॉ.सी.वी.रामन विश्वविद्यालय करगी रोड कोटा बिलासपुर छत्तीसगढ़

How to cite this article:
शरण, . रेणु ., शराफ, . अंजनी ., & चक्रवर्ती, . पायल . (2025). नई शिक्षा नीति और उच्च शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा का पुनरुत्थान. Journal of Research and Development, 17(8(B)), 132–133. https://doi.org/10.5281/zenodo.17232018

नालंदा विश्वविद्यालय में बौद्ध दर्शन, गणित, चिकित्सा एवं व्याकरण पढ़ाया जाता था, जो शिक्षा की बहु–विषयकता को दर्शाता है। यह दृष्टिकोण आज भी प्रासंगिक है और नई शिक्षा नीति इसे पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रही है।

नई शिक्षा नीति 2020 और भारतीय ज्ञान परंपरा का समावेश

NEP 2020 ने भारतीय ज्ञान परंपरा को पुनर्जीवित करने के लिए निम्नलिखित उपाय प्रस्तावित किए हैं:

1. मातृभाषा में शिक्षा दृ स्थानीय भाषाओं में अध्ययन को प्रोत्साहित करना।
2. बहु–विषयक शिक्षा प्रणाली दृ आधुनिक विषयों के साथ भारतीय ज्ञान प्रणालियों को जोड़ना।
3. संस्कृत एवं अन्य प्राचीन भाषाओं का पुनरुद्धार दृ शिक्षा में संस्कृत, पालि, प्राकृत आदि भाषाओं को पुनः शामिल करना।
4. पारंपरिक भारतीय विषयों का समावेश दृ आयुर्वेद, योग, ज्योतिष, दर्शन एवं भारतीय गणित का पाठ्यक्रम में समावेश।
5. शोध एवं नवाचार दृ भारतीय ज्ञान परंपरा के आधुनिक संदर्भों में पुनरावलोकन को बढ़ावा देना।

उच्च शिक्षा पर प्रभाव

भारतीय दर्शन, योग एवं आयुर्वेद को अकादमिक शोध के रूप में मान्यता प्राप्त हो रही है।
अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय शिक्षा प्रणाली की साख बढ़ रही है।
विद्यार्थी वैश्विक परिप्रेक्ष्य के साथ भारतीय जड़ों से जुड़े रहेंगे।
भारत की पारंपरिक तकनीकों, जैसे वास्तुशास्त्र और पर्यावरणीय ज्ञान, को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ा जा रहा है।

चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ

पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जोड़ना आवश्यक है।
पर्याप्त शैक्षणिक संसाधनों एवं योग्य शिक्षकों की आवश्यकता होगी।
नीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सरकारी एवं निजी संस्थानों को मिलकर काम करना होगा।

निष्कर्ष

नई शिक्षा नीति 2020 भारतीय उच्च शिक्षा में एक युगांतकारी बदलाव लाने का प्रयास कर रही है। यह नीति भारत की प्राचीन ज्ञान परंपराओं को आधुनिक शिक्षा प्रणाली में पुनर्स्थापित करने के साथ–साथ विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करती है। इस संदर्भ में, यह नीति भारतीय शिक्षा प्रणाली की जड़ों को मजबूत करने और एक आत्मनिर्भर भारत की दिशा में अग्रसर होने में सहायक होगी।

संदर्भ सूची

1. भारत सरकार। (2020)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020। मानव संसाधन विकास मंत्रालय।
2. मुकर्जी, ,. (2021)। भारतीय ज्ञान प्रणाली का पुनरावलोकन NEP 2020 का अध्ययन। जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन, 47(2), 12–28।
3. शर्मा, आर. (2022)। उच्च शिक्षा और भारतीय परंपराओं का पुनरुद्धार NEP 2020 का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, 55(4), 45–62।
4. त्रिपाठी, पी. (2023)। संस्कृत और स्वदेशी ज्ञान उच्च शिक्षा में नीतिगत प्रभाव। इंडियन जर्नल ऑफ हायर एजुकेशन, 10(1), 33–48
5. मिश्रा, एस. (2021)। भारतीय दर्शन और शिक्षा परंपरा एवं आधुनिकता। नई दिल्ली प्रभात प्रकाशन।
6. गोस्वामी, डी. (2020)। भारतीय शिक्षा और संस्कृतिरू ऐतिहासिक एवं समकालीन परिप्रेक्ष्य। वाराणसी चौखंबा प्रकाशन।
7. वर्मा, के. (2019)। भारतीय ज्ञान परंपरा और वैश्वीकरण। मुंबई ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।
8. चौधरी, एन. (2022)। आधुनिक भारत में शिक्षा नीति और परंपरागत ज्ञान। जयपुर राजस्थान यूनिवर्सिटी प्रेस।
9. पटेल, आर. (2021)। भारतीय शिक्षा और नवाचार। अहमदाबाद नवल पब्लिकेशन।
10. शर्मा,एम.(2023)। भारतीय शिक्षा प्रणाली और नीतिगत सुधार। भोपाल इंडिया बुक हाउस।